

✧x°** **°x✧

श्री वेंकटेश्वर स्तोत्रम्

Venkateswara Stotram

✧x°** **°x✧

॥ श्री वेंकटेश्वर स्तोत्रम् ॥

कमलाकुच चूचुक कुंकमतो
नियतारुणि तातुल नीलतनो ।
कमलायत लोचन लोकपते
विजयीभव वेंकट शैलपते ॥

सचतुर्मुख षण्मुख पंचमुख
प्रमुखा खिलदैवत मौलिमणे ।
शरणागत वत्सल सारनिधे
परिपालय मां वृष शैलपते ॥

अतिवेलतया तव दुर्विषहै
रनु वेलकृतै रपराधशतैः ।
भरितं त्वरितं वृष शैलपते
परया कृपया परिपाहि हरे ॥

अधि वेंकट शैल मुदारमते-
र्जनताभि मताधिक दानरतात् ।
परदेवतया गदितानिगमैः
कमलादयितान्न परंकलये ॥

कल वेणुर वावश गोपवधू
शत कोटि वृतास्मर कोटि समात् ।
प्रति पल्लविकाभि मतात्-सुखदात्
वसुदेव सुतान्न परंकलये ॥

अभिराम गुणाकर दाशरधे
जगदेक धनुर्थर धीरमते ।
रघुनायक राम रमेश विभो
वरदो भव देव दया जलधे ॥

अवनी तनया कमनीय करं
रजनीकर चारु मुखांबुरुहम् ।
रजनीचर राजत मोमि हिरं
महनीय महं रघुराममये ॥

सुमुखं सुहृदं सुलभं सुखदं
स्वनुजं च सुकायम मोघशरम् ।
अपहाय रघूद्वय मन्यमहं
न कथंचन कंचन जातुभजे ॥

विना वेंकटेशं न नाथो न नाथः
सदा वेंकटेशं स्मरामि स्मरामि ।
हरे वेंकटेश प्रसीद प्रसीद
प्रियं वेंकटेश प्रयच्छ प्रयच्छ ॥

अहं दूरदस्ते पदां भोजयुग्म
प्रणामेच्छया गत्य सेवां करोमि ।
सकृत्सेवया नित्य सेवाफलं त्वं
प्रयच्छ पयच्छ प्रभो वेंकटेश ॥

अज्ञानिना मया दोषा न शेषान्विहितान् हरे ।
क्षमस्व त्वं क्षमस्व त्वं शेषशैल शिखामणे ॥

✧.....°* * *°.....✧

Free download PDF of all types of mantra, stotram, vandana, arati: chalisapdf.net